भजन

तर्ज–मेरी जिंदगी मे आते तो कुछ

तेरी आशिकी निभाते, तो कुछ और चाल होती
तुमसे ही दिल लगाते, तो कुछ और चाल होती

1–कई बार आप आये ,यहां तन बदल बदल के
राहे वतन दिखाई खुद, आप पहले चल के
हम भी कदम बढ़ाते.....

2–अनहोनियां भी तुमने, आ कर बहुत करी है
रूहों के झूठे तन मे ,बैठक अर्श करी है
पहचान तुमको जाते....

3–खिलवत करी है जाहेर,अपनी रूहों की खातिर
वरना ये झूठा आलम, इसके नही था काबिल
दिल मे दरद जगाते.....

4–इतनी पुकारे सुन कर, हाय क्यों ना रूह जगी है
वचनो के बाण से भी, कोई चोट ना लगी है
रहनी मे रूह की आते.....